

हाईस्कूल परीक्षा, 2014
हिन्दी-केवल प्रश्न-पत्र

समय : 3 घण्टे 15 मिनट]

801 (AD)

[पूर्णांक : 70

1. (क) निम्नलिखित में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए—

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल प्रसिद्ध उपन्यासकार हैं। (ii) 'अथाह सागर' के लेखक जयप्रकाश भारती हैं। (iii) 'विश्व को एशिया की देन' डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की प्रमुख रचना है। (iv) 'गोदान' प्रेमचन्द का काव्य संग्रह है।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक के लेखक का नाम लिखिए—

(i) प्रबन्ध-पारिजात (ii) भारतीय शिक्षा (iii) चिन्तामणि (iv) त्यागपत्र

(ग) किसी एक एकांकी नाटक के लेखक का नाम लिखिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद के किसी एक नाटक का नाम लिखिए।

(ङ) किसी एक संस्मरण लेखक का नाम लिखिए।

2. (क) रीतिकाल की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(ख) साकेत तथा उर्वशी के रचयिताओं के नाम लिखिए।

(ग) 'भारत-भारती' किसकी रचना है?

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) जब एक बार मनुष्य अपना पैर काचड़ में डाल देता है, तब फिर यह नहीं देखता कि वह कहाँ और कैसे जगह पर रखता है। धीरे-धीरे बुरी बातों में अभ्यस्त होते-होते तुम्हारी धृष्टता कम हो जाएगी। पीछे तुम्हें उनसे चिढ़ न मालूम होगी क्योंकि तुम यह सोचने लगोगे कि चिढ़ने की बात ही क्या है? तुम्हारा विवेक कुंठित हो जाएगा और तुम्हें भले-बुरे की पहचान न रह जाएगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। (ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) बुरी बातों का क्या प्रभाव पड़ता है?

(ख) अजन्ता संसार की चित्रकलाओं में अपना अद्वितीय स्थान रखता है। इतने प्राचीन काल के इतने सजीव, इतने गतिमान, इतने बहुसंख्यक कथा-प्राण चित्र कहीं नहीं बने। अजन्ता के चित्रों ने देश-विदेश, सर्वत्र की चित्रकला को प्रभावित किया। उसका प्रभाव पूर्व के देशों की कला पर तो पड़ा ही, मध्य-पश्चिमी एशिया भी उसके कल्याणकर प्रभाव से वंचित न रह सका।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) अजन्ता की चित्रकला का बाहर के देशों पर क्या प्रभाव पड़ा?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य सौन्दर्य भी लिखिए :

(क) मेरी भव-बाधा हरी, राधा नागरि सोई।

जा तन की झाई पर, स्याम हरित-दुति होई॥

सोहत ओई पीतु पटु, स्याम सलीने गात।

मनी नीलमनि-सैन पर, आतपु परयो प्रभात॥

(ख) विश्व जीवन मूक दिन दिन का प्राणमय स्वर

सांद्र पर्वत-शृंग पर अभिराम निर्झर

सकल जीवन जो जगत के

खेल पर उल्लास खेला।

बढ़ अकेला।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी कोई एक रचना लिखिए :

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iii) जय प्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी एक रचना लिखिए :

(i) तुलसीदास (ii) रसखान (iii) सुभद्रा कुमारी चौहान।

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयं विमल सलिल तरङ्गायाः गङ्गायाः कुले स्थिता।

अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पवित्रः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयाति, अस्याः घट्टानां च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

अथवा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्॥

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया गया कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए।

(i) धर्म केन वर्धते? (ii) विश्वस्य स्रष्टा कः?

(iii) वातात् शीघ्रतरं किम् अस्ति? (iv) गृहे सत् किम् मित्रम् अस्ति?

8. (क) करुण रस की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए

अथवा सीस पर गंगा हैसैं, लट में भुजंगा हैसैं।

हास ही के दंगा भयो, गंगा के विवाह में॥

उपर्युक्त पद्यांश में रस का नाम तथा स्थायी भाव लिखिए।

(ख) रूपक अथवा उद्देशा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

(ग) रोला छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए :

(i) सु (ii) निर (iii) अभि (iv) अन (v) परि (vi) अप।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए :

(i) पन (ii) हट (iii) बट (iv) आई।

(ग) निम्नलिखित किन्हीं दो में समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए :

(i) हानि-लाभ (ii) लम्बोदर (iii) नीलाम्बर (iv) सप्ताह।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए :

(i) अनजान (ii) धर्म (iii) कोयल (iv) बरखा।

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(i) बादल (ii) सागर (iii) चन्द्रमा (iv) पृथ्वी।

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए :

(i) अभि + उदय (ii) यदि + अपि (iii) तथा + एव (iv) वन + औषधम्।

(ख) निर्माकित शब्दों के रूप सप्तमी विभक्ति बहुवचन में लिखिए :

नदी अथवा युष्मद्

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए :

(i) हससि (ii) द्रक्ष्यसि (iii) पर्वति।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(i) अभ्यास से विद्या बढ़ती है। (ii) वह घर जाएगी।

(iii) पेड़ से पत्ते गिरते हैं। (iv) वह किताब पढ़ती है।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

(i) विद्यार्थी जीवन। (ii) हमारा प्रिय कवि। (iii) नारी शिक्षा का महत्त्व। (iv) कम्प्यूटर : आज की आवश्यकता।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए :

(क) (i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का सारांश लिखिए।

(ii) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(घ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'भामाशाह' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर नवम् सर्ग का वर्णन कीजिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आजाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।